रात्रि क्लास 29-4-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

****

भक्ति-मार्ग में कुछ भी मिलने की बात नहीं। यह तो है पढ़ाई। तुम बच्चे जानते हो शान्ति माना शान्ति-धाम जाना। शान्ति कहां से मिलती नहीं। शान्ति सिवाय शान्ति के सागर के कोई दे न सके। और कोई से कब मिल भी न सके। प्राप्ती बाप से ही होती है। जिसको वर्सा कहा जाता है। वर्सा लौकिक पारलौकिक बाप से मिलता है। पारलौकिक बाप से मिलता है 21 जन्मों के लिए। फिर आता है रावण का राज्य भक्ति-मार्ग। तो खाली हो जाते हैं। कोई बतावे भक्ति-मार्ग से क्या मिला। भक्ति तो बहुतों ने की है अच्छी तरह से। कोई भक्त आवे तो पूछना है भक्ति करते हो? अच्छा भक्ति से क्या प्राप्ती होती है। कुछ कहेंगा नहीं। कहेंगा तो भूख या शान्ति कहेंगे। सुख तो दे न सके। राजयोग सीखा नही सकते। शान्ति का सागर बाप ही है। उन से ही शान्ति मिल सकती है। और कोई को पता भी शान्ति किसको कहा जाता है। सन्यासी शान्ति के लिए जंगल में जाते हैं। सतोप्रधान बुधि है तो वहां खाना मिलता है। तमोप्रधान बन जाते हैं तो कशिश ही नहीं रहती। चले आते हैं। आजकल कुटियायें सभी खाली पड़ी है। क्योंकि ताकत ही नहीं हैं जो कशिश करे के कोई भोजन ले आवे। तुम शक्तिप्राप्त करते हो बाप से। तुम विश्व के मालिक बनते हो। शक्ति मिली कैसे। शक्ति थी जरूर। अभी कोई शक्ति नहीं है/आत्मा में। आत्मा में शक्ति थी। इन ल0ना0 की आत्मा में शक्ति थी अभी नहीं है। फिर उनकी शक्तिप्राप्त करने लिए पुरुषार्थ कर रहे हैं। भक्ति मार्ग में कुछ भी नहीं मिलता। वापस तो कोई भी जा नहीं सकते। इसलिए कितने उपाय करते रहते हैं। बच्चे जास्ती न हो उसके लिए माथा मारते रहते हैं। बोलो तुम्हें कितने मनुष्य चाहते हो दुनिया में। बिचार करो सतयुग में आदी सनातन देवी-देवता धर्म था तो कितने मनुष्य होंगे। गायन है आठ- नव लाख होते हैं। गाते हैं ना फकिरा नो साहब ... 9लाख यहां रहते हैं। लवी स्टर्स हों ना। तुम 9लाखसतयुग में होते हो। जिनकी ज्योत जगी रहती है वहां कोई मरता तो पिनी नहीं पहनते ज्योत नहीं जगाते। वहां सभी की ज्योत जगी रहती है। सतयुग में सभी घर2 में आत्मा जगी रहती है। घर घर में अंधयारा होता है कलियुग अन्त में। अभी तुम्हारी ज्योत जग रही है। कोई की 5% कोई की कितनी। 100% तो होता है बाप का। कुछ जरूर कमी रहनी पड़ती है। यह बाप समझाते हैं मेरे को कहेंगे 100%। और कोई को कह न सके। कुछ कमी जरूर रहती है। स्कूल में 100मार्कस नहीं देते होंगे। ठगी चलती होगी। मार्कस बिकते भी हैं। रिश्वत से मार्कस मिलती है। ऐसेबहुत ही पद मिलते हैं। राय साहब, राय बहादूर, राजा-बहादूर यह सभी टाईटल्स पैसों से ही मिलते हैं।

सब से जास्ती बच्चे वाला कौन है? (शिव बाबा) (बाप-दादा) कुछ कम जास्ती। 50-60 का फर्क है ना। बच्चियां कहती है एक का फर्क है। बताओ यह कैसे। शिव बाबा को एक जास्ती है। शिव बाबा सभी आत्माओं का बाप है। यह एक कम हुआ ना। वह 5000।। तो यह 5000। इसको कहा जाता है ईश्वर का अन्त। मनुष्य कहते हैं ईश्वर का अन्त कोई नहीं पा सकते है। ईश्वर ने आकर तुमको अपना अन्त बताया है। इसलिए ईश्वर को बेअन्त नहीं कहा जाता। वह सृष्टि के आदि मध्य अन्त का अन्त देते हैं। तब तुम आस्तिक बनते हो। जब तक अन्त न है तब तक नास्तिक हो। पहले तुम सभी आस्तिक थे। निधर्मी के घर में लड़ते हैं तो कहते हैं धणी धोणी कोई है। यह है बेहद की बात। तुम्हारे सिवाय कोई भी बाप को नहीं जानते। प्रजापिता ब्रहमा को एक कम क्यों? यहफिर क्लास में पूछना सभी से। यह पढ़ाई है ना। पढ़ाई से ही पद मिलता है। भक्ति-मार्ग से पद नहीं। वर्सा नहीं मिलता है। यह भक्ति की निन्दा नहीं करते हैं। ड्रामा अनुसार भक्ति से सभी की दुर्गति होती है। इनकी भी दुर्गति हुई है ना। कहते हैं मैं इन में प्रवेश करता हूँ। तो सभी की सदगति मिलती है। अच्छा मीठे2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप-दादा का याद प्यार गुडनाईट। रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते। नमस्ते।

::-शिवबाबा और वर्सा याद है?-::